

हर दर्द मंद दिल को, रोना मेरा रुखा दे  
जो सो रहे हैं कब्र में, उनका भी, दिल हिला दे

हर दर्द मंद ----- जो सो रहे -----

७ उठता है, दर्द मेरा, लारीफ, क्या करूं ॥२॥  
लो जान पे बन आई ॥२॥ तुम्हारे, तो जिना दे

हर दर्द मंद ----- जो सो रहे -----

८ बैछे शसी, होने लगी आखिर ये जिन्दगी ॥२॥  
कुद भी तो, रहम खाओ या मौत से, मिला दे

हर दर्द मंद ----- जो सो रहे -----

९ रह रहे, कोई रो रहा, मेरे दर्द, जगह में  
तुम्हारे, कसम है मेरी ॥२॥ मुझे जहर तो, पिला दे

हर दर्द मंद ----- जो सो रहे -----

१० अग दर्द, जरा सुन ले, तुम्हारे हैं, आरजू  
वैचैन जिन्दगी "श्रीवावाजी" ॥२॥ ता जिन्दगी, सुना दे  
हर दर्द मंद ----- जो सो रहे -----